B.A. 5th Semester (General) Examination, 2024 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : SEC-3

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् **Group-A, Group-B** चेति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमत: परीक्षार्थिभि: सावधानं स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्य:। ततश्च यथानिर्देशं प्रश्ना: समाधेया:।

এই প্রশ্নপত্রে **Group-A** এবং **Group-B** এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত বিভাগটি থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে।

Group-A

विभाग :–'क'

বিভাগ-'ক'

(Sanskrit Composition)

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्ना:* समाधेया:। तेषु यथेच्छया *प्रश्नद्वयस्य* उत्तरं संस्कृतभाषया कार्यम्। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে যেকোনো *দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দিতে হবে।

(a) क: आसीत् काञ्चीपति:? कथं चौरा: राज्ञ: समीपम् आनीता:?
কাঞ্চীর অধিপতি কে ছিলেন? কেন চোরদেরকে রাজার নিকট নিয়ে আসা হয়?

(b) 'हासविद्यकथा' इति कथाया: उत्स: क:? ग्रन्थकारस्य नाम किम्?
'হাসবিদ্যকথা' গল্পের উৎস কী? গ্রন্থকারের নাম কী?

(c) 'हासविद्यकथा'—इत्यस्य पदस्य व्युत्पन्नमर्थं लिखतु।
'হাসবিদ্যকথা'—এই পদটির ব্যুৎপত্তিগত অর্থ লেখো?

(d) धर्माध्यक्ष: किमुक्तवान्?
ধর্মাধ্যক্ষ কী বলেছিলেন?

(e) 'उपाये सफले रक्षा निष्फले नाधिकं मृते:'—क: केन प्रसङ्गेन एवं चिन्तितवान्?
'উপায়ে সফলে রক্ষা নিষ্ফলে নাধিকং মৃতে:'— কে কোন প্রসঙ্গে এইরূপ চিন্তা করেছিল?

(f) का महतीविद्या चौरेण अधिगतासीत्?
কোন মহতী বিদ্যা চোরের অধিগত ছিল?

(g) 'व्याधिना पीड्यमानोऽपि...'— इति श्लोकांश संक्षेपेण व्याख्येयम्।

'व्याधिना पीड्यमानोऽपि...'— এই শ্লোকাংশটি সংক্ষেপে ব্যাখ্যা করো।

(h) प्रकृति प्रत्ययं निरूपय (यथेच्छं द्वयम्):

প্রকৃতি প্রত্যয় নিরূপণ করো (*যেকোনো দুটি*) ঃ

प्रत्यासन्ने, आरोप्य, बभूव

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं संस्कृतभाषया प्रदेयम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দিতে হবে।

(a) काञ्चीनगर्य्यां कति चौराः केन धृताः? महाराजेन चौरान् प्रति कीदृशः दण्डः निर्धारितः?

কাঞ্চীনগরে কতজন চোর কাদের দ্বারা ধরা পড়েছিল? মহারাজ চোরেদের জন্য কী প্রকার দণ্ড নির্ধারণ করেছিলেন?

(b) 'प्रत्यायाति यमद्वारात् प्रतीकारपरो नरः'— उक्तिरियं व्याख्येयम्।

'प्रत्यायाति यमद्वारात् प्रतीकारपरो नरः'— উক্তিটি ব্যাখ্যা করো।

(c) 'यूयं सर्वेऽपि चौराः कथमहमेको मारणीयोस्मि'— कः कान् प्रति इदम् उक्तवान्? वक्तुः परिणामं वर्णयतु।

'यूयं सर्वेऽपि चौराः कथमहमेको मारणीयोस्मि'— কে, কার প্রতি এই উক্তি করেছিল? বক্তার পরিণাম বর্ণনা করো।

(d) अनुच्छेदं पठित्वा अधोनिर्दिष्टं प्रश्नत्रयं समाधेयम् :–

अस्ति गौतमारण्ये प्रस्तुतयज्ञः कश्चित् ब्राह्मणो ग्रामान्तरात् छागमुपक्रीय स्कन्धे कृत्वा गच्छन् धूर्तत्रयेणावलोकितः। ततस्ते धूर्ताः - यद्येषः छागः केनाप्युपायेन लभ्यते, तदा मतिप्रकर्षो भवति- इत्यालोच्य प्रान्तरवृक्षत्रयतले क्रोशान्तरेण तस्य ब्राह्मणस्यागमनं प्रतीक्ष्य वर्त्मन्युपविश्य स्थिताः। तत्रैकेन धूर्तेन गच्छन् स ब्राह्मणोऽभिहितः– ''भो ब्राह्मण! किमिति गत्वा कुक्कुरं स्कन्धेनोह्यते?'' विप्रेणोक्तम्, ''नायं कुक्कुरः किन्तु यज्ञश्छागः।'' 1+1+3

(i) ब्राह्मणः कुत्र आसीत्?

(ii) कुतः स छागमुपक्रीय अगच्छत्?

(iii) धूर्तत्रयेण का युक्तिः कृता?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দুটির* উত্তর দাও।

(a) चतुर्थः चौरः कथं मृत्युजयं कृतवान्? तदनन्तरं राजा तेन सह किं कृतवान्?

চতুর্থ চোর কীভাবে মৃত্যুঞ্জয় করেছিল? তারপর রাজা তার সাথে কী করেছিল?

(b) 'हासविद्यकथा'–इति कथायाः काहिनीसारं वर्णयित्वा अस्य रचनाशैलीम् आलोचयतु।

'হাসবিদ্যকথা'— এই গল্পটির কাহিনীসার বর্ণনা করে এর রচনাশৈলী আলোচনা করো।

(c) निबन्धमेकं लिखतु :

একটি নিবন্ধ লেখো

(i) नेताजी सुभाषचन्द्र:

(ii) ISRO इत्यस्य चन्द्राभियान:

(d) अस्ति कस्मिंश्चित् समुद्रोपकन्ठे जम्बुपादप: सदाफल:। तत्र च रक्तमुखो नाम वानर: प्रतिवसति स्म। अथ कदाचित् तस्य तरोरधस्तात् करालमुखो नाम मकर: समुद्रसलिलान्निष्क्रम्य सुकोमलवालुकासनाथे तीरोपान्ते न्यविशत। ततश्च रक्तमुखेन स प्रोक्त: – भो:। भवान् समभ्यागतो मेऽतिथि:। तद् भक्षयतु मया दत्तान्यमृतकल्पानि जम्बुफलानि। एवमुक्त्वा तस्मै जम्बुफलानि ददौ। सोऽपि तानि भक्षयित्वा तेन सह चिरं गोष्ठीसुखमनुभूय भूयोऽपि स्वबुनं गत: एवं नित्यमेव तौ वानरमकरौ जम्बुछायाश्रितौ विविधालापेन कालं नयन्तौ सुखेन तिष्ठत:।

उपरोल्लिखितं अनुच्छेदं पठित्वा अधोनिर्दिष्टानां प्रश्नानां उत्तरं प्रदेयम्।

(i) जम्बुपादप: कीदृश:? वानर: कुत्र वसति स्म?

(ii) वानरस्य नाम किम्? करालमुख: कस्य नाम?

(iii) करालमुख: कुत: समागत: कुत्र च न्यविशत?

(iv) वानर: करालमुखं किमुक्तवान्?

(v) जम्बुफलानि खादित्वा मकर: किमकरोत्? 2+2+2+2+2

Group-B

विभाग –'ख'

বিভাগ-'খ'

(Basic Sanskrit — Part-II)

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्ना:* समाधेया:। तेषु यथेच्छया प्रश्नद्वयस्य उत्तरं संस्कृतभाषया कार्यम्। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে যেকোনো *দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দিতে হবে।

(a) 'चतुर्णां पण्डितमूर्खानां कथा' इति कथाया: उत्स क:? ग्रन्थकारस्य नाम किम्?

'चतुर्णां पण्डितमूर्खानां कथा' এই গল্পের উৎস কী? গ্রন্থকারের নাম কী?

(b) अधुना कान्यकुब्जस्य नाम किम्? तत्र के किमर्थं गतवन्त:?

এখন কান্যকুব্জের নাম কী? সেখানে কারা কীজন্য গিয়েছিল?

(c) द्वितीय पण्डितमतेन क: यथार्थ: बान्धव:?

দ্বিতীয় পণ্ডিতের মতে কে যথার্থ বন্ধু?

(d) चत्वार: ब्राह्मणा: कथं वसन्ति स्म? ते कुत्र गतवन्त:?

চারজন ব্রাহ্মণ কীভাবে বসবাস করত? তারা কোথায় গিয়েছিল?

(e) महाभारतम् केन विरचितम्? महाभारतस्य नामान्तरद्वयं लिख्यताम्।

মহাভারতের রচনাকার কে? মহাভারতের দুটি নামান্তর লেখো।

(f) संस्कृतसाहित्येषु किं काव्यम् आदिकाव्यरूपेण सुप्रसिद्धम्? काव्यमिदं केन विरचितम्?
সংস্কৃতসাহিত্যে কোন কাব্যটি আদিকাব্যরূপে সুপ্রসিদ্ধ? এই কাব্যটির রচনাকার কে?

(g) कः आसीत् सुबन्धुः? तेन विरचितस्य ग्रन्थस्य नाम किम्?
সুবন্ধু কে ছিলেন? তার রচিত গ্রন্থের নাম কী?

(h) 'राजतरङ्गिणी' संस्कृतसाहित्ये किं प्रकारं काव्यम्? काव्यमिदं केन विरचितम्?
রাজতরঙ্গিণী সংস্কৃতসাহিত্যে কোন শ্রেণীর কাব্য? এই কাব্যের রচনাকার কে?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं संस्कृतभाषया प्रदेयम्। 5×2=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দিতে হবে।

(a) सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या :
সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো ঃ
'महाजनो येन गतः स पन्थाः'।

(b) 'दीर्घसूत्री विनश्यति' – कः कदा एवमुक्तवान्? अस्य प्रवादस्य तात्पर्यं किम्? वक्ता अस्य अर्थं किं कृतवान्?
'दीर्घसूत्री विनश्यति' — কে কখন এই কথা বলেছিল? এই প্রবাদটির তাৎপর্য কী? বক্তা এর কী অর্থ করেছিল?

(c) विक्रमाङ्कदेवचरितस्य रचयितुर्नामोल्लिख्य विषयवस्तु समासतः उपस्थापयत।
বিক্রমাঙ্কদেবচরিতের রচয়িতার নাম উল্লেখ করে এর বিষয়বস্তু সংক্ষেপে লেখো।

(d) टीका लेख्या –
টীকা লেখো —
श्रीमद्भगवद्गीता

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छया प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

(a) 'आगमिष्यति यत् पत्रं तदस्मान् तारयिष्यति'— कः केन प्रसङ्गेन एवमुक्तवान्। एवमुक्त्वा सः किं कृतवान्? तस्य परिणामं वर्णयतु।
'आगमिष्यति यत् पत्रं तदस्मान् तारयिष्यति'— কে, কোন প্রসঙ্গে একথা বলেছিল? এই কথা বলে সে কী করেছিল? তার পরিণাম বর্ণনা করো।

(b) ब्राह्मणपुत्रा कथं पण्डितमूर्खाः कथ्यन्ते तद् आलोचयतु।
ব্রাহ্মণপুত্রগণকে কেন পণ্ডিতমূর্খ বলা হয়েছে, তা আলোচনা করো।

(c) टीका लेख्याः
টীকা লেখো ঃ
(i) कादम्बरी
(ii) हितोपदेशः

(d) रामायणस्य महाभारतस्य च पौर्वापर्यं आलोचयतु।
রামায়ণ এবং মহাভারতের পৌর্বাপর্য আলোচনা করো।

———